◉ लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1 समूह हमारे व्यवहार को किस प्रकार प्रभावित करते हैं ?
How do groups influence our behaviour ?
अथवा (Or), सामाजिक सहजीकरण किसे कहते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट करें।
What is called social facilitation ? Explain with example.

उत्तर- समूह का हमारे व्यवहार पर जो प्रभाव पड़ता है उसकी परिणति इन दो अवस्थाओं में होती है—

(i) सामाजिक सहजीकरण या सुकरीकरण, (ii) सामाजिक स्वैराचार।

(i) *सामाजिक सहजीकरण (Social Facilitation)*— कार्य निष्पादन पर दूसरों की उपस्थिति से पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव को 'सामाजिक सहजीकरण' के रूप में जाना जाता है। दूसरों की उपस्थिति हमारे व्यवहार पर असर डालती है। हम दूसरों के साथ प्रतिस्पर्द्धा में तेज दौड़ते हैं। जब हम समूह में भोजन करते हैं तो अकेले खाने की अपेक्षा अधिक खाते हैं। फ्लायड एच. आलपोर्ट द्वारा किये गये एक अध्ययन में प्रतिभागियों से कहा गया कि वे शब्दों के साहचर्य जितना सोच सकते हैं उतने एक कागज पर लिखें। प्रतिभागियों को अकेले तथा दो अन्य व्यक्तियों की उपस्थिति में काम करने को कहा गया। अध्ययन के परिणामों से पता चला कि समूह में कार्य करने वाले प्रतिभागियों ने अकेले कार्य करने वाले प्रतिभागियों की अपेक्षा अधिक साहचर्यों का उल्लेख किया।

(ii) *सामाजिक स्वैराचार (Social Loafing)*— हमने देखा कि दूसरों की उपस्थिति व्यक्ति भाव प्रबोधन उत्पन्न करती है और व्यक्ति को अपने निष्पादन में वृद्धि करने के लिए अभिप्रेरित करती है। ऐसा तब होता है जब व्यक्ति के प्रयासों का मूल्यांकन

Scanned with CamScanner

वैयक्तिक रूप से किया जाता है। लेकिन जब व्यक्ति के प्रयासों को एक समूह से जोड़ दिया जाए तो हम सम्पूर्ण समूह के स्तर पर निष्पादन का मूल्यांकन करते हैं और ऐसी स्थिति में यह पाया गया है कि व्यक्ति कम योगदान दे कार्य करता है। इसे सामाजिक स्वैराचार कहते हैं जिसका अर्थ है सामूहिक कार्य करने में व्यक्तिगत प्रयास की कमी।

2 सहयोग के क्या लाभ हैं ? (What are the benefits of co-operation ?)

उत्तर- *सहयोग के निम्नांकित लाभ हैं–*

(i) सहयोगात्मक लक्ष्य द्वारा समूह के सदस्यों में पारस्परिक संबंध प्रगाढ़ होते हैं क्योंकि लक्ष्य को पाने में प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की प्रगति में योगदान करता है।

(ii) सहयोग की स्थिति में लोग एक दूसरे को अधिक चाहते हैं क्योंकि ऐसे में हर व्यक्ति एक दूसरे का सहायक होता है।

3 समूहों में सामाजिक स्वैराचार को कैसे कम किया जा सकता है ?
How can social loafing be reduced in group ?

उत्तर- *समूहों में सामाजिक स्वैराचार को कम करने के लिए निम्न उपाय किये जा सकते हैं–*

(i) प्रत्येक सदस्य के प्रयास को पहचान मिले।

(ii) कठोर परिश्रम के लिए दबाव बढ़ाया जाय।

(iii) कार्य के महत्व या मूल्य को बढ़ाया जाय।

(iv) लोगों को यह अहसास कराया जाय कि उनका व्यक्तिगत प्रयास महत्वपूर्ण है।

4 लोग यह जानते हुए भी उनका व्यवहार दूसरों के लिए हानिकारक हो सकता है, वे क्यों आज्ञापालन करते हैं ? व्याख्या करें।
Why do people obey even when they know that their behaviour may be harming others ? Explain.

उत्तर- *लोग आज्ञापालन निम्नांकित कारणों से करते हैं–*

(i) लोग इसलिए आज्ञापालन करते हैं क्योंकि वे अनुभव करते हैं कि वे स्वयं के क्रियाकलापों के लिए उत्तरदायी नहीं हैं, वे मात्र आप्त व्यक्तियों द्वारा निर्गत आदेशों का पालन कर रहे हैं।

(ii) सामान्यता आप्त व्यक्तियों के पास प्रतिष्ठा का प्रतीक (जैसे– वर्दी, पद-नाम) होता है जिसका विरोध करने में लोग कठिनाई का अनुभव करते हैं।

(iii) आप्त व्यक्ति आदेशों को क्रमशः कम से अधिक कठिन स्तर तक बढ़ाते हैं और प्रारंभिक आज्ञापालन अनुसरणकर्ता को प्रतिबद्धता के लिए बाध्य करता है। एक बार जब कोई किसी छोटे आदेश का पालन कर देता है तो धीरे-धीरे यह आप्त व्यक्ति के प्रति प्रतिबद्धता को बढ़ाता है और व्यक्ति बड़े आदेशों का पालन करना आरंभ कर देता है।

(iv) अनेक बार घटनाएँ शीघ्रता से बदलती रहती हैं, जैसे– दंगे की स्थिति में, कि एक व्यक्ति के पास विचार करने के लिए समय नहीं होता है, उसे मात्र ऊपर से मिलने वाले आदेशों का पालन करना होता है।

5 एक व्यक्ति की अनन्यता कैसे बनती है ? (How is one's identity formed ?)

उत्तर- एक व्यक्ति का अनन्यता जहाँ एक ओर शारीरिक विशेषताओं से निर्धारित होती है, वहीं दूसरी ओर अनन्यता का अन्य पक्ष समाज में अन्य व्यक्तियों से होने वाली अन्तःक्रिया के परिणाम के रूप में अर्जित होती है। आत्म या स्व की अभिव्यक्ति के लिए व्यक्ति स्वयं को एक अनूठे व्यक्ति के रूप में देखता है वहीं दूसरी स्थिति में स्वयं को समूह के

Scanned with CamScanner

सदस्य के रूप में देखता है। व्यक्ति ... एक अनूठे व्यक्ति के रूप में देखने के दृष्टिकोण से उत्पन्न होती है, तथा सामाजिक अनन्यता, जो स्वयं को समूह के सदस्य के रूप में देखने से फलित होती है, दोनों ही महत्त्वपूर्ण हैं।

6 अंतर्सामूहिक द्वंद्व से आप क्या समझते हैं ?
What do you understant by intergroup conflicts ?
समूह के बीच संघर्ष से आप क्या समझते हैं ?

अथवा (Or), समूह के बीच संघर्ष से आप क्या समझते हैं ?
What do you understand by the conflicts between the groups ?

उत्तर– प्रत्येक समाज में अनेक समूह होते हैं तथा व्यक्ति भिन्न-भिन्न लक्ष्यों के लिए अलग-अलग समूहों का सदस्य बनता है। अन्तर समूह द्वन्द्व का तात्पर्य दो समूहों के बीच होने वाले द्वंद्वों की स्थिति से है। प्रत्येक समाज में धर्म भाषा व्यवसाय क्षेत्र आदि को लेकर समूहों का गठन होता है जिनके बीच परस्पर अलग-अलग तथा पहचान बनाने के लिए प्रायः द्वन्द्व होता है। कभी-कभी परिस्थितियाँ इतनी खराब हो जाती है कि द्वन्द्व युद्ध का रूप ले लेता है। कभी कभी एक ही समूह के भीतर सदस्यों के वैयक्तिक लक्ष्यों में भिन्नता के कारण भी संघर्ष होता है। ऐसी स्थिति में एक ही समूह के भीतर द्वन्द्व या संघर्ष होता है।

द्वंद्व का कारण पूर्वाग्रहपूर्ण भावनाएँ होती हैं। इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता की भावना भी अन्तर्द्वंद्व को जन्म देती है अर्न्तसामूहिक द्वन्द्व का परिणाम सकारात्मक एवं हानिकारक दोनों हो सकता है।

7 अनुरूपता से क्या तात्पर्य है ? व्यक्ति अनुरूप व्यवहार क्यों करना चाहता है ?
What is the Conformity ? Why do people behave conformably ?

उत्तर– अनुरूपता एक प्रकार का सामाजिक प्रभाव है जिसके अन्तर्गत कोई व्यक्ति समूह के अन्य लोगों के व्यवहार के समान बनने के लिए अपने व्यवहार या विश्वास में परिवर्तन करता है। जैसे– ट्रैफिक के नियमों को मानना।

अनुरूपता में समूह-दबाव को मानना निहित है। समूह-दबाव या तो प्रकट होता है या प्रच्छन्न। इसलिए व्यक्ति अनुरुप व्यवहार करना चाहता है। अनुरूपता सूचनात्मक प्रभाव के कारण पैदा होती है। यह प्रभाव वास्तविकता के स्थान पर साक्ष्य को स्वीकार करने के कारण पाया जाता है।

हम अनुरूप व्यवहार सामाजिक मानकों के प्रभाव के कारण भी करना चाहते हैं। क्योंकि समूह से मिलना या विचलन होने पर– समूह द्वारा अस्वीकृति किये जाने या किसी रूप में दंडित होने की संभावना रहती है। अनुरूप व्यवहार का एक कारण यह भी है कि लोग अनुरूपता इसलिए दर्शाते हैं जब वे यह महसूस करते हैं कि दूसरे के द्वारा दी गई सूचनाएँ सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। अस्पष्ट परिस्थितियाँ जहाँ हम निर्णय नहीं ले पाते हैं, तब हम उन विचारों एवं व्यवहारों को देखते हैं जो हमारे जैसे होते हैं एवं अनुरूपता का अनुसरण करके अस्पष्टता का सामाधान कर लेते हैं। इसके अतिरिक्त परम्पराओं के पालन, सामाजिक आलोचनाओं से बचने के लिए भी हम अनुरूप व्यवहार करना चाहते हैं।

Scanned with CamScanner